# एड्स के संक्रमण को रोकने हेतु टीके का आविष्कार आवश्यक

**संदर्भ :**
बढ़ते एच्आईवी/एड्स के मामलों तथा इसके चलते होने वाली मृत्यु के कारण हाल ही में भारतीय वैज्ञानिकों ने एक टीके का विकास किया है| दरअसल, वैज्ञानिकों ने C-11 नामक एक एंटीबॉडी को खोजा है जो इस टीके को बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा|

**महत्त्वपूर्ण बिंदु**

- विश्व में किसी भी देश ने अब तक ऐसा टीका विकसित नहीं किया है| इस टीके के विकास से अब इस घातक बीमारी का आरम्भिक अवस्था में ही इलाज संभव हो सकेगा|
- इसके द्वारा एच्आईवी/एड्स सबटाइप-C का इलाज संभव हो सकेगा| उल्लेखनीय है कि भारत एवं अफ्रीका के 90% एच्आईवी/एड्स पीड़ित लोग इसी श्रेणी के हैं|
- वस्तुतः यह टीका "निष्क्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली" में भी सहायक होगा| इस प्रणाली से ऐसे रोगियों का इलाज़ किया जाता है जो अकस्मात इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं|

**भारत के लिये राहत की बात**

- भारत में एच्आईवी/एड्स के रोगियों की संख्या कुल जनसंख्या का 0.26% (लगभग 2.1 मिलियन) है| हालाँकि, हाल के वर्षों में एच्आईवी/एड्स के रोगीयों में कमी आई है|
- एच्आईवी/एड्स के नए मामलों में 2015 में 32% की कमी आई है| इसके अलावा, एच्आईवी/एड्स से मरने वालों की संख्या में भी 2015 में 54% की कमी आई है|

**एच्आईवी/एड्स (HIV/AIDS)**
ह्यूमन एम्युनोडेफिसियिन्सी वायरस (HIV) एक विषाणु है जो हमारे प्रतिरक्षा तंत्र में अवस्थित टी-कोशिकाओं (T CELLS) को प्रभावित करता है, जिससे एक्वायर्ड एम्युनोडेफिसियिन्सी सिंड्रोम (AIDS) हो जाता है|

**कारण :** असुरक्षित यौन संबंधों से, गर्भवती महिला द्वारा शिशु को, संक्रमित रक्त के द्वारा|

**प्रारंभिक अवस्था के लक्षण:** बुखार, जोड़ों में दर्द, थकावट, शरीर पर लाल धब्बे, लगातार वज़न में कमी, रात में पसीना आना, गले में सूज़न आदि|

**बाद की अवस्था के लक्षण:** डायरिया, आँखों के सामने अंधेरा छाना, गला सूखना, अत्यधिक थकावट होना, 100 डिग्री के आसपास बुखार का बना रहना आदि|

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vaccine-is-necessary-to-prevent-aids